

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302310 / A-304
Name of the Paper	:	निरुक्त एवं भारद्वाज श्रौतसूत्र Nirukta & Bharadvaja Srautasutra
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. आचार्य यास्क का "द्रविणोदाः" सम्बन्धी चिन्तन पर प्रकाश डालिए।
Explain the thinking related to Dravinodah of Acharya Yaska.
 2. आप्री देवताओं के महत्त्व का विवेचन कीजिए।
Discuss the importance of Apri Devata.
 3. आचार्य यास्क के काल सम्बन्धी चिन्तन पर प्रकाश डालिए।
Explain the thinking related to Kala of Acharya Yaska.
 4. सविता के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Savita in detail.
 5. मध्यस्थानी स्त्री देवताओं पर प्रकाश डालिए।
Throw light on Madhyasthani Female Deities.
 6. भारद्वाजश्रौतसूत्र के अनुसार आग्रयणेष्टि का विवेचन कीजिए।
Discuss Agrayanesti according to Bhardwajshrautsutra.